

पुस्तक

चाचा चौधरी

और

पतंगबाजी





पद्यम श्री प्राण

मॉरिस हार्न, वर्ल्ड एन्सायक्लोपीडिया आफ कॉमिक्स के एडिटर ने कार्टूनिस्ट प्राण को वाल्ट डिज्नी आफ इंडिया कहा है ! उसकी कॉमिक्स पीढ़ी दर पीढ़ी बढ़ते हुए नौजवानों की हमेशा साथी रही हैं, उन्होंने उसके करेक्टर्स चाचा चौधरी, साबू, श्रीमतीजी, पिंकी, बिल्लू, रमन इत्यादि के मनोरंजन का भरपूर लुत्फ उठाया है ! उसके 500 से ज्यादा टाइटल्स मार्केट में बिक रहे हैं और स्ट्रिप्स दर्जनों न्यूज पेपर्स में छप रही हैं ! चाचा चौधरी पर आधारित बने टी.वी. सीरियल लगातार 600 एपिसोड्स तक एक प्रमुख चैनल पर दिखाए गए ! विश्व के कई देशों का भ्रमण कर चुके, वहां की क्राफ़ेंसों में कार्टून्स पर स्पीचेज देने वाले प्राण को लिमका बुक आफ रिकार्ड्स ने पीपुल आफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया है. 1983 में उसकी कामिक बुक - रमन, हम एक हैं का विमोचन तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने किया.

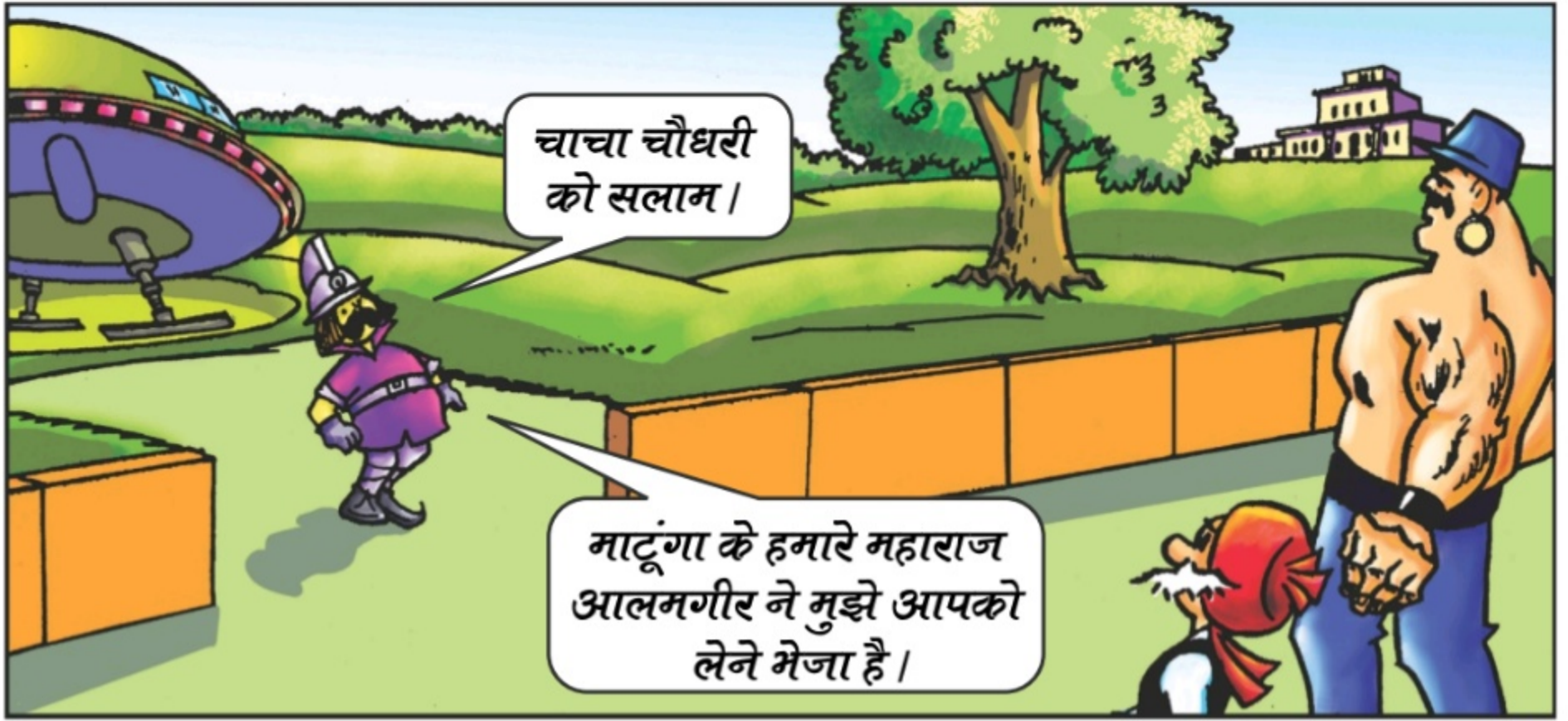
प्रकाशक



चाचा चौधरी और डेंगू राक्षस



TITLE CHACHA CHAUDHARY AND THE CHARACTERS ARE COPYRIGHT REGISTERED BY GOVERNMENT OF INDIA FOR THE PROPRIETORS PRAN'S FEATURES, A-84 NARAINA VIHAR, NEW DELHI. REPRODUCTION OF ANY PART OF THIS BOOK IS STRICTLY PROHIBITED. NO ACTUAL PERSON IS NAMED OR DELINEATED IN THIS FICTION COMICS. ANY SIMILARITY TO REAL HUMAN BEING OR PLACE IS PURELY COINCIDENTAL.







वह राक्षस जब नींद से जागता है और...



अपना मुंह खोलता है तो लाखों मच्छर बाहर निकलकते हैं।



डेंगू राक्षस के मच्छर।

वे हमारे राज्य की ओर बढ़ते हैं।

बचो!

भागो!

आज फिर इनका कहर बरपेगा।



ओह ह! मरा!

आऊ ऊ!



ढेरों मच्छर हमारे नागरिकों का खून चूसते हैं और...

वापस डेंगू-राक्षस के पेट में चले जाते हैं।









यह ले मेरा बांया हाथ।

हिंम!



और अब यह दांया।

आऊऊ!

थड ड!



हू-हूबा!

मुझे नीचे उतारो!



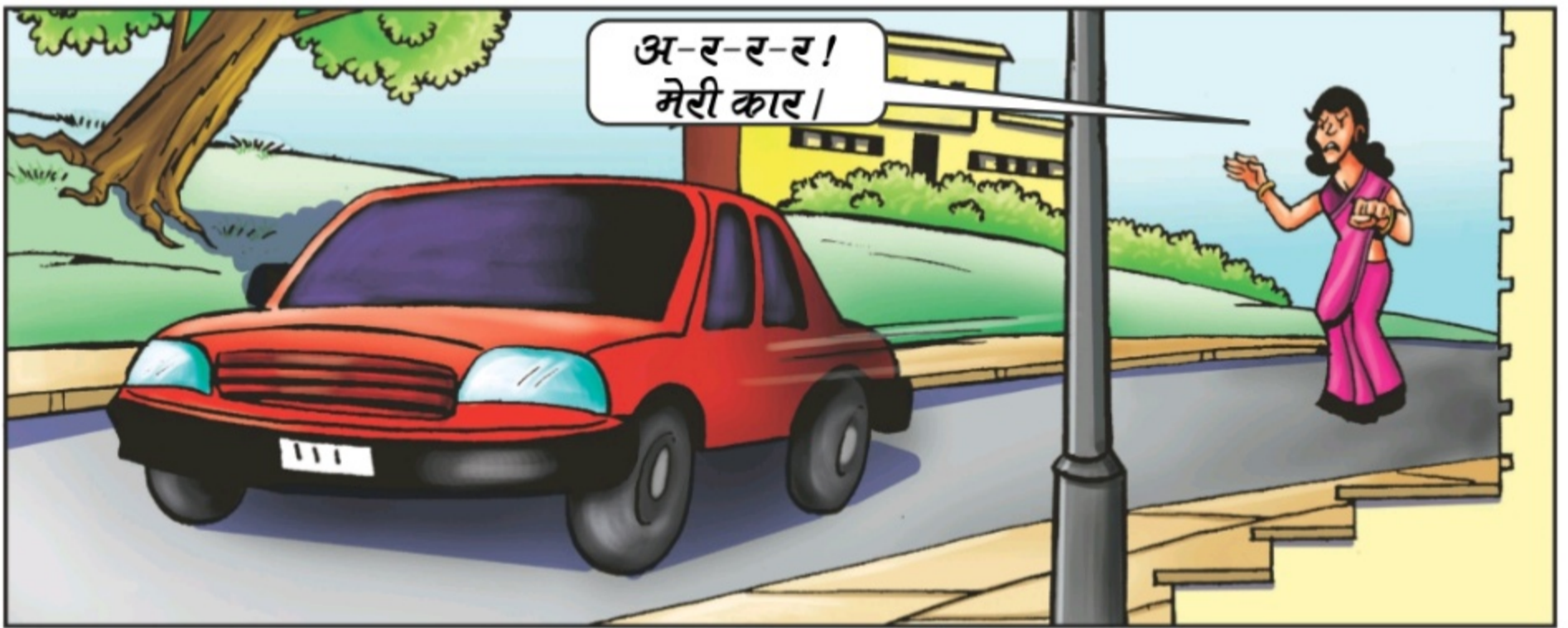
शर शर ट!

चल निकल, यहां से।



धाप प!











चाचा चौधरी पतंगबाजी



आज स्वाने में क्या बनाऊं ?
इटैलियन, इंडियन,
कॉन्टिनेंटल या चाइनीज डिश ?



पहले तुम बना लो।
डिश का नाम शक्ल
देखकर रख लेंगे।



हाँ! हाँ!!



© PRAN'S FEATURES

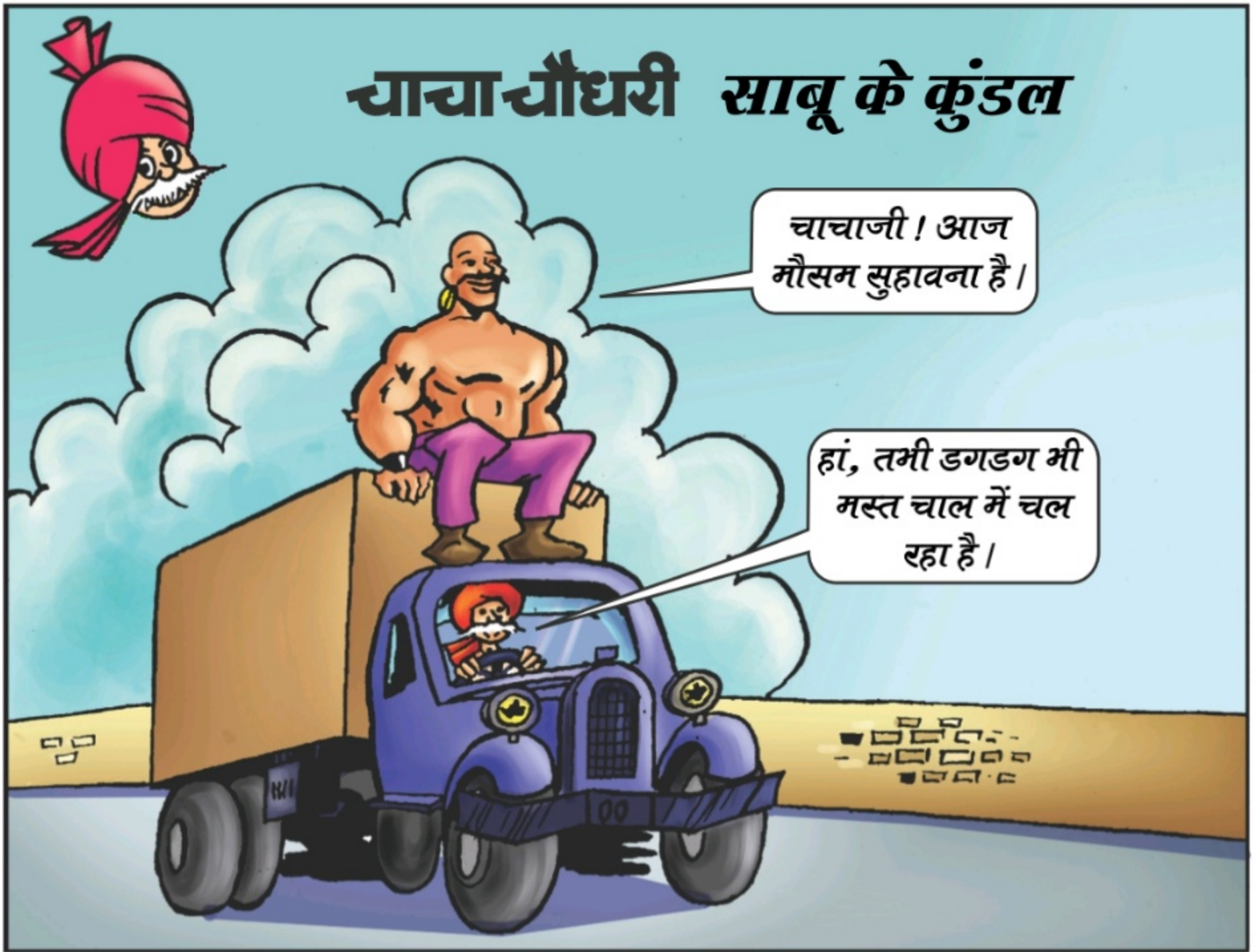




















चाचा चौधरी हीट बर्नर

धमाकासिंह ! देखो,
मैंने स्पेशल ट्रक
बनाया है।

कबाड़-जुगाड़ !
ट्रक के ऊपर
वह भोंपू क्यों
लगाया है ?



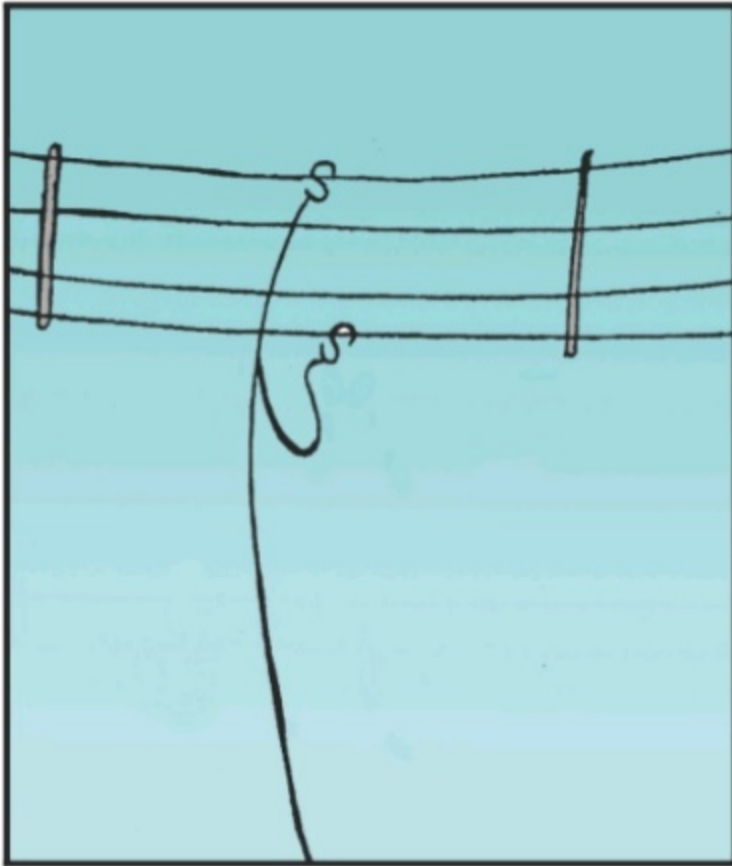
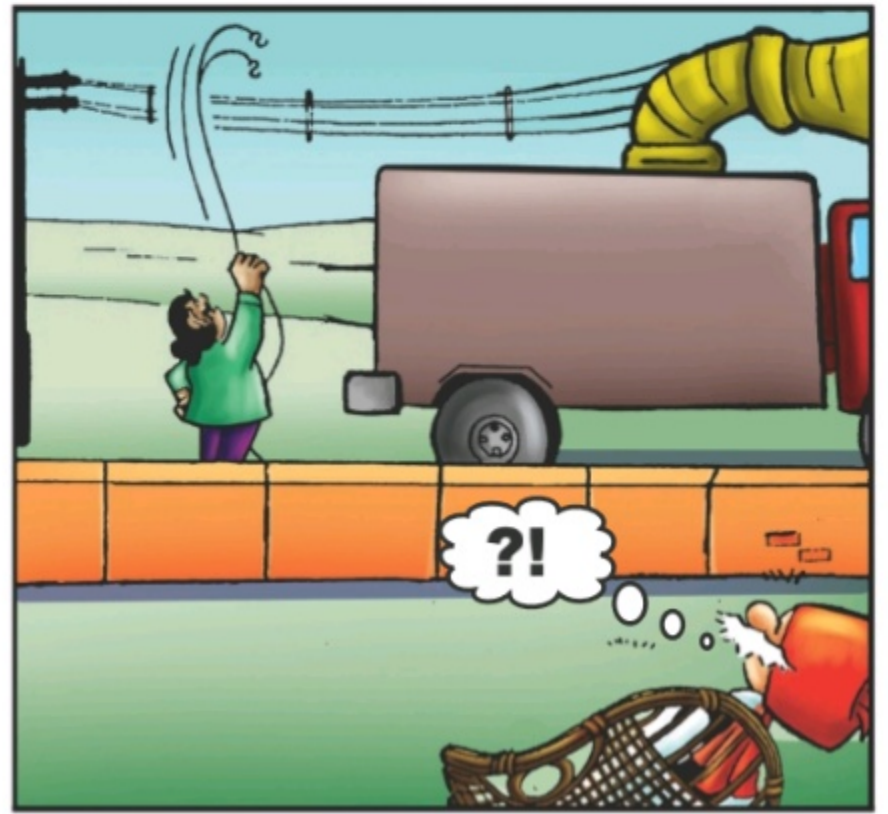
वह भोंपू नहीं,
हीट-बर्नर फिट
किया है। इससे
इतनी ज्यादा
मात्रा में गर्म हवा
निकलती है, जो
सामने रखी चीज
को जला डालती
है।

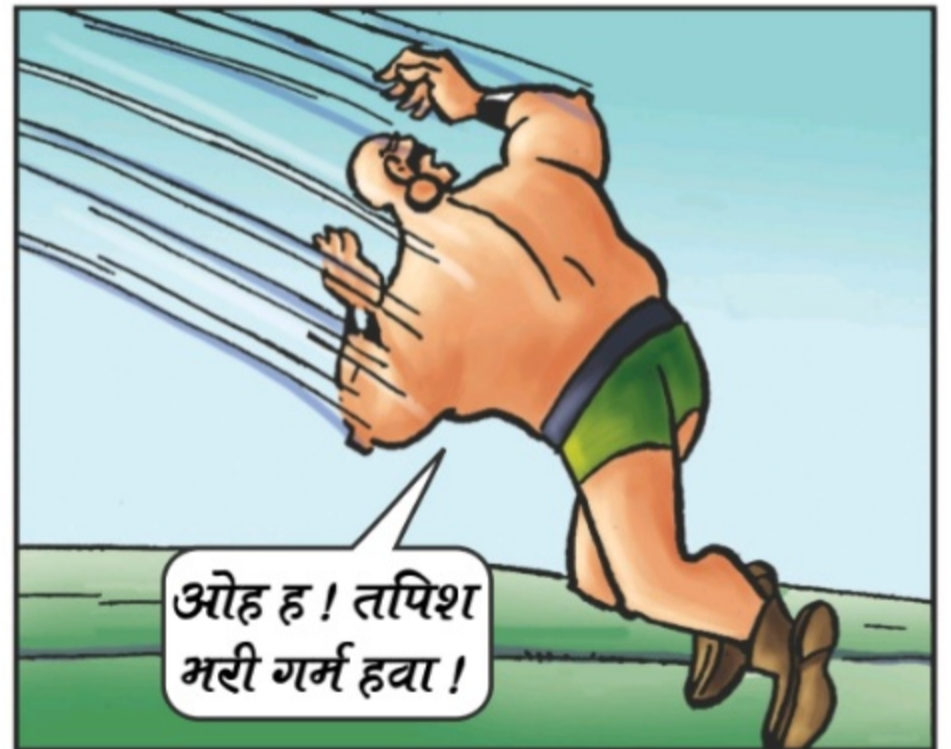


गर्म हवा
हमारे किस
काम की ?











सफाई के लिए उसने छोटा वैक्यूम क्लीनर प्रयोग किया जो ट्रक की बैटरी से चल रहा था।

चाचा चौधरी का दिमाग कम्प्यूटर से तेज चलता है।